

श्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग 1--खण्ड 1

PART I-Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

HO 21]

नई विल्ली, सोमवार, जनवरी 24, 1972/माघ 4, 1893

No. 21]

NEW DELHI, MONDAY, JANUARY 24, 1972/MAGHA 4, 1893

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह झलग संकलन के क्य में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF FOREIGN TRADE

PUBLIC NOTICE

IMPORT TRADE CONTROL

New Delhi, the 24th January 1972

Subject.—Import Policy for Registered Exporters for the year April, 1971—March, 1972 (Amendment No. 56).

No. 11-ITC(PN)/72.—Attention is invited to the Import Policy for Registered Exporters contained in Volume II of the Import Trade Control Policy Book for the year April 1971-March 1972, issued under the Ministry of Foreign Trade Public Notice No. 44-ITC(PN)/71, dated the 30th April 1971 as amended from time to time.

2. The following amendments may be made at the appropriate places as indicated below :-Page No. of the Red Reference Amendments Book For the figure "70%" occurring under Col. 3, the figure "75%" may be substituted". 248 Co1.3

The above amendment will be applicable for exports made on or after 1-1-1972.

M. M. SEN, Chief Controller of Imports and Exports.

विदेश व्यापार मंत्रालय

सार्वजिनिक सुचना

भायात व्यापार नियंद्रण

नई दिल्ली, 24 जनवरी 1972

विषय:---प्रप्रैल 1971-मार्च 1972 वर्ष के लिए पंजीकृत निर्यातकों के लिए प्रायात निति (संगोधन संख्या 56).

संख्या 11-प्राई०टी० पी० (पी० एन०)/12.--विदेश व्यापार मंत्रालय की सार्वजनिक सचना संख्या : 44-म्राई०टी० सी० (पी० एन०)/71 दिनांक 30-4-1971 के अन्तर्गत अप्रैल, 1971--मार्च 1972 वर्ष के लिए जारी की गई ग्रायात व्यापार नियंत्रण निति पुस्तक (रेडबक) के बा० 2 में पंजीक्षत नियातिकों के लिए निहित भाषात नीति की भीर ध्यान भाक्षण्ट किया जाता है।

2. निम्नलिखित संगोधन नीचे निर्दिष्टानुसार उपयुक्त स्थानों पर किए जाएं :--

रैंडबुक (वा० 2) की पृष्ठ संख्या	संदर्भ	संगोधन
1	2	3
248	एल. 4 कालम 3	कालम-3 में विद्यमान श्रांकड़े "70 प्रतिशत" के स्थान पर ''75 प्रतिशत" श्रोकड़ा प्रतिस्थापित किया जाए।
उपर्युक्त संशं	धिन 1-1-1 972 क	ो या इसके बाद में किए गए नियतिों के लिए लागू होगा।
		एम० एम० सेन, मुख्य, नियंत्रिक, भ्रायात निर्यात ।